धूल भरे रास्तों से राहगीर परेशान, निर्माण की मांग

नवभारत न्यूज

खंडवा। महाशिवरात्रि पर्व पर प्राचीन खांडव वन की धरा हर-हर महादेव के जयघोष से गुंज उठी। रविवार तड़के से ही ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग से लेकर शहर के चारों दिशाओं में स्थित ऐतिहासिक कुंडों और शिवालयों में आस्था का ज्वार उमड़ पड़ा। हालांकि, भक्ति के इस उत्सव के बीच प्रशासनिक उपेक्षा की एक कड़वी तस्वीर भी सामने आई। शहर के ऐतिहासिक भीमकुंड महादेव मंदिर पहुंचने के लिए हजारों श्रद्धालुओं को धूल के गुबार और जर्जर रास्तों से होकर गुजरना पड़ा, जिसने एक बार फिर सिस्टम की पोल खोल दी।

ऐतिहासिक धरोहर, मगर राह मुश्किल: समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि पंधाना रोड स्थित भीमकुंड का इतिहास महाभारत काल से जुड़ा है। मान्यता है कि पांडवों के अज्ञातवास के दौरान महाबली भीम ने यहां तपस्या के लिए शिवलिंग स्थापित किया था। यहाँ बाबा दुर्गानंदजी की देखरेख में वर्षों से सेवा कार्य चल रहा है। महाशिवरात्रि पर यहां विशाल फलाहारी भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें हजारों भक्तों ने प्रसादी ग्रहण की। लेकिन, मुख्य मार्ग से मंदिर तक का करीब डेढ़ किलोमीटर का रास्ता कच्चा और बेहद खस्ताहाल है।

सुनील जैन ने मौके पर मौजूद जनसमूह की ओर से वन मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल और विधायक कंचन तनवे से मांग की है कि जिला पंचायत के माध्यम से इस सड़क का निर्माण शीघ्र कराया जाए। साथ ही बुरहानपुर रोड से भीमकुंड तक पक्की सड़क और पैदल पुल का निर्माण हो, ताकि बारिश में भी भक्त आसानी से दर्शन कर सकें।

शिवालयों में विशेष श्रृंगार, बंटी भांग प्रसादी: शहर के प्रमुख शिवालयों—पदम कुंड, रामेश्वर कुंड, सूरज कुंड, महादेवगढ़, नीलकंठेश्वर, हाटकेश्वर और सिंधी कॉलोनी स्थित शिवधाम—में सुबह से ही अभिषेक का दौर चला। भक्तों ने दूध, दही, घी, शहद और पंचामृत से भगवान का अभिषेक किया। शाम होते ही मंदिर आकर्षक विद्युत सज्जा से जगमगा उठे और भगवान का विशेष श्रृंगार किया गया। कई जगहों पर साबूदाने की खिचड़ी और भगवान शिव की प्रिय भांग प्रसादी का वितरण देर रात तक चलता रहा।

चारों कुंडों के कायाकल्प की दरकार : इस महापर्व पर एक बड़ी मांग यह भी उठी कि खंडवा की पहचान माने जाने वाले भीमकुंड, सूरजकुंड, पदमकुंड, रामेश्वर कुंड आज भी उपेक्षा का शिकार हैं। श्रद्धालुओं ने जिले के प्रभारी मंत्री और जिला प्रशासन से अनुरोध किया है कि शहर की इन ऐतिहासिक धरोहरों का तत्काल सौंदर्यीकरण और जीर्णोद्धार किया जाए, ताकि इन्हें पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा सके और आने वाली पीढ़ी अपने गौरवशाली इतिहास पर गर्व कर सके।

महाशिवरात्रि पर भीमकुंड में उमड़ा भक्तों का सैलाब

ज्योतिर्लिंग ओंकारेश्वर भी भारी भीड़ ..

ओंकारेश्वर। ज्योतिर्लिंग ओंकारेश्वर में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। ब्रह्म मुहूर्त से ही तीर्थ नगरी 'हर-हर महादेव' के जयघोष से गूंज उठी और लाखों श्रद्धालुओं ने भगवान ओंकारेश्वर व ममलेश्वर के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। संत समाज की पारंपरिक शोभायात्रा में जूना अखाड़े सहित षट् दर्शन संत मंडल के लगभग 250 संत शामिल हुए, जिन्होंने मां नर्मदा पूजन और अभिषेक किया। श्रद्धालुओं ने ओंकार पर्व परिक्रमा करते हुए शिवपुरी, ब्रह्मेश्वर, विष्णुपुरी और त्रिपुरी के दर्शन किए तथा नर्मदा स्नान किया। शिवालयों में रुद्राभिषेक, जलाभिषेक और शिव बत्ती लगाने की परंपरा में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। पर्व के दौरान पुलिस अधीक्षक मनोज राय व ग्रामीण एसपी राजेश रघुवंशी ने व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। प्रशासन ने संभावित भारी भीड़ को देखते हुए सख्त ट्रैफिक प्लान लागू किया। प्रमुख मार्ग वन-वे किए गए, बाहरी ऑटो पर रोक लगाई गई और घाटों पर कड़ी सुरक्षा के साथ तीन दिन नाव संचालन बंद रखा गया।

ओंकारेश्वर में संत समाज का शोभायात्रा .

एक नजर में

महिला किसान सम्मेलन आयोजित

नवभारत न्यूज

खंडवा । स्वाश्रयी महिला सेवा संघ द्वारा कपास कार्यक्रम अंतर्गत नार्मदीय धर्मशाला में महिला किसान सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 250 महिला किसान बहनों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि डॉ वाणी एवं डॉ रश्मि शुक्ला रहे। विशिष्ट अतिथि विष्णु पाटीदार एवं डॉ. सविता यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कॉटन कनेक्ट टीम से विजय बारापात्रे व नरेंद्र राठौर की सहभागिता रही।

सम्मेलन में कम लागत में अधिक उत्पादन, होममेड पेस्टिसाइड, उन्नत कपास खेती, कीट-रोग प्रबंधन एवं जैविक खाद पर जानकारी दी गई। प्रदर्शनी एवं खेल प्रतियोगिताओं ने कार्यक्रम को रोचक बनाया। कार्यक्रम का संचालन सेवा टीम के सेवा महामंत्री कविता मालवीय द्वारा किया गया अंत में जिला समन्वयक जितेंद्र राठौर द्वारा आभार व्यक्त किया गया

बालाजीपुरम कॉलोनी में जिगेश्वर महादेव की भव्य प्राण-प्रतिष्ठा

नवभारत न्यूज

खंडवा। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर बालाजीपुरम कॉलोनी में आस्था और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला, जहां भगवान शिव के स्वरूप जिगेश्वर महादेव की प्राण-प्रतिष्ठा संपन्न हुई। 13 से 15 फरवरी तक आयोजित तीन दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम वैदिक ब्राह्मणों के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

आयोजन के प्रथम दिवस अन्नाधिवास और भव्य कलश यात्रा निकाली गई। दूसरे दिन फलाधिवास एवं जलाधिवास के साथ भगवान को शयन कराया गया। महाशिवरात्रि के दिन विशेष रुद्राभिषेक के बाद कलश स्थापना, ध्वजा स्थापना तथा जिगेश्वर महादेव सहित माता पार्वती, भगवान गणेश, कार्तिकेय, नंदी महाराज एवं कछुआ स्वरूप की विधिवत प्राण-प्रतिष्ठा की गई। बालाजी ग्रुप के संस्थापक एवं समाजसेवी रितेश गोयल ने सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। मुख्य यजमान मुकेश अग्रवाल रहे। कार्यक्रम में मोहिनी अग्रवाल, पूजा अग्रवाल, गरिमा अग्रवाल, अरुण गुप्ता, रितेश मिश्रा, आदित्य केशोर, कन्हैया अग्रवाल, रोहित सेठी, पिंकू अग्रवाल, अर्पित पूरी, अशोक कुमार सुखवाल, जीतेन्द्र पाटिल, कीर्तिराज सिंह, सागर वर्मा, चक्रेश भावसार, रवि सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

युवक के साथ किन्नर के रहने पर विवाद, दोनों को लाठियों से पीटा

नवभारत न्यूज

खंडवा । खंडवा के पदमनगर थाना क्षेत्र में आपसी सहमति से साथ रहने वाले एक युवक और किन्नर के साथ मारपीट की गंभीर घटना सामने आई है। आरटीओ ऑफिस के पास रेहमापुर के रहने वाले चेतन पटेल और किन्नर काजल जब सुरगांव जा रहे थे, तभी रास्ते में रोककर 8-10 लोगों ने उन पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस विवाद की मुख्य वजह युवक के साथ किन्नर का रहना बताया जा रहा है, जिस पर आरोपी कैलाश और उसके साथियों ने आपत्ति जताई थी।

घायलों के अनुसार, वे एक परिवार की तरह रहते हैं और मजदूरी कर अपना जीवन यापन करते हैं, लेकिन आरोपी उन्हें आए दिन परेशान करते हैं और साथ रहने का विरोध करते हैं। इस हमले में चेतन के सिर और पैर में गंभीर चोटें आई हैं, जबकि काजल को भी कमर और हाथों में चोटें लगी हैं। दोनों को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ितों ने अपनी सुरक्षा और आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है, जिसके बाद पदमनगर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रेस में 31 हजार का इनाम जीता, फिर कुएं में जा गिरे बैल

नवभारत न्यूज

खंडवा। जिले के आदिवासी अंचल खालवा में आयोजित पारंपरिक छकड़ा रेस यानी बैलगाड़ी दौड़ का रोमांच उस वक्त हादसे में बदल गया, जब रेस में दूसरा स्थान प्राप्त करने वाली बैलगाड़ी अनियंत्रित होकर सीधे एक कुएं में जा गिरी। गनीमत यह रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई और कुएं में गिरे बैलों को ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए रस्से की मदद से सुरक्षित बाहर निकाल लिया। घटना खालवा क्षेत्र के ग्राम बोरखेड़ा की है, जहां जोगीबाबा मेले के दौरान इस दौड़ का आयोजन किया गया था।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसा रेस अपने अंतिम चरण में थी। भीलखेड़ी गांव के किसान की

बैलगाड़ी ने जैसे ही फिनिश लाइन पार कर 31 हजार रुपए का दूसरा इनाम अपने नाम किया, वैसे ही बैलों को नियंत्रित करने वाला रस्सा अचानक टूट गया। रस्सा टूटते ही किसान का बैलों पर से नियंत्रण खत्म हो गया। हादसा होते देख बैलगाड़ी हांक रहे किसान ने सूझबूझ दिखाई और चलती गाड़ी से कूदकर अपनी जान बचाई, जबकि तेज रफ्तार बैलगाड़ी सीधे पास स्थित एक बिना मुंडेर के कुएं में जा गिरी। संयोग से कुआं ज्यादा गहरा नहीं था, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।

बैलगाड़ी के कुएं में गिरते ही वहां मौजूद ग्रामीणों की भीड़ दौड़ पड़ी। तुरंत रस्से मंगवाए गए और कड़ी मशक्कत के बाद दोनों बैलों को सुरक्षित बाहर खींच लिया गया, हालांकि बैलगाड़ी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। समिति ने इस दौड़ के लिए 3100 रुपये की एंट्री फीस तय की थी।

राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में गर्व यादव ने जीता सिल्वर

नवभारत न्यूज

खंडवा। उज्जैन के क्षीर सागर स्टेडियम में आयोजित खेलो एमपी राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में खंडवा के 19 वर्षीय पहलवान गर्व मंगल यादव ने ग्रीको रोमन स्टाइल के 130 किलोग्राम वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त कर सिल्वर मेडल जीता। दादा और पिता के मार्गदर्शन में निरंतर अभ्यास करते हुए गर्व यादव कुश्ती के क्षेत्र में लगातार सफलता हासिल कर रहे हैं। समाजसेवी एवं प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि शासकीय प्रशिक्षक एवं उपकरणों की कमी के बावजूद खंडवा के पहलवान गुरु हीरालाल यादव, मंगल यादव, राजेंद्र पांजरे, जगदीश पटेल और ऋषि सोनकर के मार्गदर्शन में

प्रशिक्षण लेकर प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। गर्व यादव अपने दादा मध्यप्रदेश केसरी रहे स्वर्गीय हुकुमचंद यादव तथा पिता मंगल यादव से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ रहे हैं। वे अब तक दो राष्ट्रीय स्तर के सिल्वर मेडल सहित राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में पांच मेडल जीत चुके हैं। मेडल प्राप्ति पर सुनील जैन, संदेश गुप्ता, माता चारुलता मंगल यादव, भाजपा प्रदेश नेत्री माया पटेल, इंदु दुबे, ममता बोरसे, अन्नपूर्णा तंवर सहित अन्य जनप्रतिनिधियों व मातृशक्ति ने गर्व यादव का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

252 करोड़ की योजना से खंडवा होगा स्वच्छ और सुरक्षित

नवभारत न्यूज

खंडवा। नगर पालिक निगम खंडवा द्वारा अमृत 2.0 योजना के तहत प्रस्तावित महत्वपूर्ण सीवरेज परियोजना का भूमिपूजन पंधाना विधानसभा में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा संपन्न हुआ। यह परियोजना लगभग 252 करोड़ रुपए की लागत से विकसित की जा रही है और इसके पूरा होने पर शहर में अपशिष्ट जल प्रबंधन को नई दिशा मिलेगी।

इस परियोजना के अंतर्गत लगभग 276 किलोमीटर लंबा सीवरेज नेटवर्क तैयार किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना खंडवा के शहरी विकास में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने बताया कि सरकार का लक्ष्य नागरिकों के जीवन को सुविधाजनक बनाना, पर्यावरण सुरक्षा सुनिश्चित करना और शहर को स्वच्छ रखना है।

अधिकारियों ने बताया कि परियोजना के पूरा होने के बाद शहर में सीवरेज और जल निकासी प्रणाली मजबूत होगी, साथ ही सफाई और स्वास्थ्य सेवाओं में भी सुधार आएगा। नागरिकों के लिए यह परियोजना स्वच्छ, सुरक्षित और स्वास्थ्यवर्धक जीवन सुनिश्चित करने वाली अहम पहल है।

कुल मिलाकर, अमृत 2.0 सीवरेज परियोजना का भूमिपूजन खंडवा के लिए विकास, स्वच्छता और आधुनिक शहरी सुविधा की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम साबित हुआ।

तीर्थनगरी में कर्मचारियों के हिस्से के गुलाब जामुन डकार गया सिस्टम

नवभारत न्यूज

ओंकारेश्वर। नगर परिषद में जनता के पैसों की कैसी बंदरबांट होती है, इसका एक मीठा लेकिन कड़वा उदाहरण सामने आया है। विकास कार्यों में अनियमितताओं के लिए चर्चित नगर परिषद ओंकारेश्वर अब स्वागत-सत्कार के नाम पर हुए बड़े फर्जीवाड़े को लेकर सुर्खियों में है। मामला 2024 का है, जहां तत्कालीन जिम्मेदारों ने सांसद, विधायक और पार्षदों को कागजों में इतनी काजू-कतली खिला दी, जो गले नहीं उतर रही, वहीं कर्मचारियों के हिस्से की मिठाई में भी बड़ी धांधली की गई।

18 लोगों की 10 हजारी दावत -नगर परिषद के बिलों के अनुसार, सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, विधायक नारायण पटेल और पार्षदों (कुल मिलाकर अध्यक्ष सहित करीब 18 लोग) के स्वागत में 10 हजार रुपये से अधिक की सिर्फ काजू-कतली वितरित करना बताया गया है। सवाल यह उठ रहा है कि महज डेढ़ दर्जन लोगों के लिए इतनी बड़ी राशि की मिठाई खरीदी का औचित्य क्या था? यह अपव्यय सीधे तौर पर भ्रष्टाचार की ओर इशारा कर रहा है।

कर्मचारी 149, डिब्बे बंटे 260, मिला कुछ और -भ्रष्टाचार का दूसरा बड़ा सबूत दीपावली पर कर्मचारियों को बांटी गई मिठाई के बिल हैं। नप में कुल 149 कर्मचारी हैं, लेकिन बिलों में 260 डिब्बे गुलाब जामुन खरीदना और बांटना दर्शाया गया है। यानी 111 डिब्बे अतिरिक्त। यह कागजी गुलाब जामुन किसकी जेब में गए, यह बड़ा सवाल है।

हैरानी की बात यह है कि कर्मचारियों का कहना है कि उन्हें गुलाब जामुन मिले ही नहीं, बल्कि बर्फी के 8-10 पीस थमा दिए गए। स्पष्ट है कि महंगी मिठाई का बिल लगाकर सस्ती मिठाई बांटी गई और बीच की राशि डकार ली गई।

जिम्मेदार झाड़ रहे पल्ला : यह पूरा कारनामा 2024 में तत्कालीन सीएमओ के कार्यकाल का है। वर्तमान सीएमओ मोनिका पारधी मामले को दिखवाने की बात कहकर पल्ला झाड़ रही हैं। वहीं, विधायक नारायण पटेल ने मामला संज्ञान में आने पर जांच की बात कही है। अब देखना यह है कि इस मीठे घोटाले की जांच में कड़वी सच्चाई बाहर आती है या इसे भी फाइलों में दफन कर दिया जाता है।

संकल्प से समाधान अभियान के द्वितीय चरण के शिविर शुरू

नवभारत न्यूज

खंडवा। नागरिकों को उनकी पात्रता अनुसार केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं और सेवाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से प्रदेशभर में 12 जनवरी से 31 मार्च तक संकल्प से समाधान अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के द्वितीय चरण में 16 फरवरी से 16 मार्च के बीच क्लस्टर स्तर पर शिविर आयोजित कर प्राप्त आवेदनों का निराकरण किया जाएगा।

जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री के.आर. कानूडे ने बताया कि जनपद पंचायत खंडवा के अंतर्गत 16 फरवरी को जावर, 17 फरवरी को अमलापुरा और 18 फरवरी को सिहाड़ा में शिविर आयोजित होंगे। इसके बाद बलड़ी, हरसूद, छैगांवमाखन, पुनासा, पंधाना तथा खालवा विकासखंड के विभिन्न ग्रामों में निर्धारित तिथियों पर शिविर लगाकर ग्रामीणों के आवेदन लिए जाएंगे और समस्याओं का मौके पर समाधान किया जाएगा।

नगरीय क्षेत्रों में मार्च माह के दौरान मूंदी, पंधाना, छनेरा, ओंकारेश्वर और पुनासा सहित खंडवा नगर निगम के अलग-अलग वार्डों के लिए भी शिविर आयोजित किए जाएंगे।

भंडारेश्वर महादेव मंदिर में धार्मिक अनुष्ठान

नवभारत न्यूज

खंडवा। महाशिवरात्रि पर विपणन संघ स्थित इंडियन ऑयल सहकारी पेट्रोल पंप जिला कार्यालय गोदाम परिसर में बने भंडारेश्वर महादेव मंदिर में रविवार को धार्मिक अनुष्ठान, जलाभिषेक, पूजा-अर्चना, हवन और आरती का आयोजन किया गया। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी और भक्तों ने हर हर महादेव के जयघोष के साथ शिवलिंग पर जल, दुग्ध व बेलपत्र अर्पित कर सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर के पुजारी अंजनी कुमार मिश्रा ने बताया कि महाशिवरात्रि भगवान शिव की आराधना का विशेष पर्व है और इस दिन श्रद्धा से की गई पूजा से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। कार्यक्रम में अंजनी कुमार मिश्रा, राजेश खरे, रजत धनगर, विनोद गोलानी, सूर्या खत्री, गणेश सेन, किशोर सपकाल, निर्मल पिसाल, धर्मेन्द्र सोलंकी, रजत पटेल, तरुण यादव, हेमंत जेधे, मिथलेश उपाध्याय, राकेश चौहान सहित अनेक श्रद्धालु शामिल हुए। हवन के पश्चात प्रसाद वितरण किया गया।

पंधाना के किसानों की तकदीर बदलेगी प्याज यूनिट

सुक्ता प्रोजेक्ट से खेतों तक पहुंचेगा पानी

नवभारत न्यूज

खंडवा। शनिवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का पंधाना दौरा एक सरकारी रस्म अदायगी नहीं, बल्कि निमाड़ के किसानों और खंडवा के शहरी ढांचे के लिए एक बड़े बदलाव की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। सीएम ने पंधाना की उस नब्ज को पकड़ा है, जो यहां के किसानों की सबसे बड़ी पीड़ा थी— प्याज। अक्सर बंपर पैदावार के बाद सड़कों पर फेंके जाने वाले या कौड़ियों के दाम बिकने वाले

प्याज को अब स्थानीय स्तर पर ही प्रोसेस किया जाएगा। सीएम ने एक जिला-एक उत्पाद के तहत प्याज की प्रोसेसिंग यूनिट स्वीकृत कर किसानों को बड़ी राहत दी है। इसके साथ ही सुक्ता माइक्रो सिंचाई परियोजना की मंजूरी से अब उन खेतों तक भी पानी पहुंचेगा, जो दशकों से सूखे की मार झेल रहे थे या उद्वहन सिंचाई योजना से महरूम थे। यह घोषणाएं आने वाले समय में क्षेत्र की रबी और खरीफ फसलों के रकबे में बड़ा उछाल लाएंगी।

इस एक दिवसीय दौरे में सीएम ने जिले को 600 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की सौगात दी है, जो शहरी और ग्रामीण विकास का मिला-जुला खाका है। जहां एक ओर 301 करोड़ की भाम सिंचाई परियोजना का लोकार्पण कर किसानों को सीधा लाभ पहुंचाया गया है, वहीं दूसरी ओर खंडवा शहर के लिए 252 करोड़ की सीवरेज परियोजना की आधारशिला रखकर शहरी स्वच्छता की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। इसके अलावा, पंधाना में प्रशासनिक कसावट लाने के लिए एसडीएम कार्यालय, बस स्टैंड और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स जैसे बुनियादी ढांचे को मंजूरी दी गई है। एक अहम फैसला पंधाना के तालाब को लेकर भी हुआ, जिसे जल संसाधन विभाग से नगर परिषद को हस्तांतरित करने की घोषणा की गई। इससे अब स्थानीय निकाय तालाब का सुंदरीकरण और जल प्रबंधन अपने स्तर पर कर सकेगा। सामाजिक सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण के मोर्चे पर भी यह दौरा अहम रहा। मुख्यमंत्री ने मंच से सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रदेश की सवा करोड़ लाड़ली बहनों के खाते में 1836 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए, जिसमें खंडवा जिले की लगभग 2 लाख हितग्राही शामिल हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी 37 करोड़ की लागत से बने सांदीपनि विद्यालय और नए आयुष्मान आरोग्य केंद्रों का लोकार्पण कर सीएम ने यह संकेत दिया है कि बुनियादी सुविधाओं में कोई कमी नहीं रखी जाएगी। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक छाया मोरे ने प्याज यूनिट और सिंचाई परियोजना की मांग को प्रमुखता से रखी थी, जिसे सीएम ने मौके पर ही मंजूरी दे दी। कुल मिलाकर, शनिवार का यह दौरा भविष्य के खंडवा की एक नई तस्वीर गढ़ने वाला रहा है।